भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या **4959**

जिसका उत्तर शुक्रवार, 31 मार्च, 2023/10 चैत्र, 1945 (शक) को दिया जाना है।

नैनो यूरिया की मांग और उत्पादन

4959. श्री देवजी पटेल:
श्री ई. टी. मोहम्मद बशीर:

क्या **रसायन और उर्वरक मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारत को यूरिया के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए नैनो यूरिया का उत्पादन आरम्भ कर दिया गया है;
(ख) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों के दौरान नैनो यूरिया की मांग और उत्पादन सहित तत्संबंधी वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या भारत को यूरिया उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) सरकार द्वारा किसानों को नैनो यूरिया उत्पादन और उपयोग को बढ़ाने के लिए प्रेरित करने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है;
(ड) विगत एक वर्ष के दौरान देश भर में नैनो यूरिया की आपूर्ति की राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार स्थिति क्या है;
(च) क्या सरकार ने देश भर में किसानों और खुदरा विक्रेताओं तक नैनो यूरिया की पहुंच बढ़ाने के लिए नैनो यूरिया की आपूर्ति बढ़ाने की योजना बनाई है; और
(छ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री

(भगवंत खुबा)

(क) और (ख): इफको द्वारा विकसित नैनो यूरिया को विभिन्न भारतीय कृषि अनुसंधान परिषदों (आईसीएआर)/राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में किए गए प्रारम्भिक प्रायोगिक परीक्षणों के आधार पर उर्वरक नियंत्रण आदेश (एफसीओ)-1985 में अनंतिम रूप से शामिल किया गया है। पिछले तीन वर्ष के दौरान नैनो यूरिया के उत्पादन और मांग/बिक्री का ब्यौरा नीचे तालिका में दर्शाया गया है:-

		(मात्रा 500 मिली की लाख बोतलों में)
विवरण	**2021-22 (31.03.2022 तक)**	**2022-23 (26.03.2023 तक)**
कुल उत्पादन	290.00	464.27
घरेलू ब्रिक्री	212.13	311.57
निर्यात	3.06	1.58
कुल ब्रिकी (घरेलू+निर्यात)	215.20	313.15

(ग): सरकार ने यूरिया क्षेत्र में नए निवेश को सुकर बनाने और भारत को यूरिया क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए 2 जनवरी, 2013 को नई निवेश नीति (एनआईपी) - 2012 और 7 अक्टूबर, 2014 को इसके संशोधन की घोषणा की थी। एनआईपी-2012 के तहत कुल 6 नई यूरिया इकाइयां स्थापित की गई हैं। ये मैटिक्स फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (मैटिक्स) की पानागढ़ यूरिया इकाई; चंबल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (सीएफसीएल) की गड़ेपान-III यूरिया इकाई; रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) की रामागुंडम यूरिया इकाई; और हिन्दुस्तान उर्वरक एंड रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) की 3 यूरिया इकाइयां नामतः गोरखपुर, सिंदरी और बरौनी हैं। इनमें से प्रत्येक इकाई की संस्थापित यूरिया उत्पादन क्षमता 12.7 लाख मीट्रिक टन प्रति वर्ष है। इस प्रकार, इन इकाइयों ने मिलकर देश की मौजूदा स्वदेशी यूरिया उत्पादन क्षमता में 76.2 एलएमटी प्रति वर्ष की वृद्धि की है जो वर्तमान में **283.74 एलएमटी** है।

इसके अतिरिक्त, कोयला गैसीकरण मार्ग से **12.7 एलएमटी** प्रति वर्ष क्षमता का एक नया ग्रीनफील्ड यूरिया संयंत्र स्थापित करके एफसीआईएल की तलचर इकाई के पुनरुद्धार के लिए 28 अप्रैल 2021 को एक विशेष नीति अधिसूचित की गई है।

सरकार ने अपने उद्देश्यों में से एक स्वदेशी यूरिया उत्पादन को अधिकतम करने के उद्देश्य के साथ 25 मई, 2015 को नई यूरिया नीति (एनयूपी) - 2015 अधिसूचित की है। एनयूपी-2015 के परिणामस्वरूप 2014-15 के दौरान हुए उत्पादन की तुलना में यूरिया का **20-25 एलएमटीपीए** अतिरिक्त उत्पादन हुआ है।

(घ) से (छ): इफको ने वर्तमान में 17 करोड़ बोतलों की क्षमता वाले तीन नैनो यूरिया संयंत्र क्रमशः कलोल, फूलपुर और आंवला में स्थापित किए हैं। इसके अतिरिक्त, उर्वरक विभाग अपने पीएसयू को नैनो यूरिया संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। उर्वरक विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल) और राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (आरसीएफ) ने इफको से नैनो यूरिया प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण हेतु इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर को-ऑपरेटिव (इफको) के साथ गैर-प्रकटीकरण करार (एनडीए) और समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। पिछले एक वर्ष के दौरान देश भर में नैनो यूरिया की आपूर्ति/बिक्री की राज्य-वार/संघ राज्यक्षेत्र-वार स्थिति इसके **अनुलग्नक-क** के माध्यम से दर्शाई गई है। इसके अतिरिक्त, किसानों तक नैनो यूरिया/नैनो उर्वरकों की पहुंच बढ़ाने के लिए जागरूकता शिविरों, वेबिनार, नुक्कड़ नाटकों, खेत प्रदर्शनों, किसान सम्मेलनों और क्षेत्रीय भाषाओं में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया आदि के माध्यम इसके प्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है।

अनुलग्नक-क

नैनो यूरिया की राज्य-वार बिक्री (मात्रा 500 मि.ली. की बोतलों की संख्या में)		
क्र.सं.	**राज्य**	**2021-22 (31.03.2022 तक)**
1	आंध्र प्रदेश	**5,80,144**
2	असम और एनई	**4,38,628**
3	बिहार	**14,83,992**
4	छत्तीसगढ़	**5,23,368**
5	गुजरात	**8,75,184**
6	हरियाणा और दिल्ली	**16,28,732**
7	हिमाचल प्रदेश	**1,50,120**
8	जम्मू और कश्मीर	**2,00,612**
9	झारखंड	**1,55,150**
10	कर्नाटक	**8,18,176**
11	केरल	**1,00,128**
12	मध्य प्रदेश	**16,11,682**
13	महाराष्ट्र और गोवा	**16,51,162**
14	ओडिशा	**4,17,922**
15	पंजाब	**17,77,354**
16	राजस्थान	**15,02,316**
17	तमिलनाडु	**12,06,720**
18	तेलंगाना	**5,86,700**
19	उत्तर प्रदेश	**40,62,930**
20	उत्तराखंड	**1,40,004**
21	पश्चिम बंगाल	**13,02,222**
22	**कुल योग (घरेलू बिक्री)**	**2,12,13,246**
23	निर्यात	**3,06,456**
24	**कुल योग (घरेलू + निर्यात बिक्री)**	**2,15,19,702**

****